But the Government of India has not accorded any approval of the said proposal. As a result, the Tribal families settled in the area do not get any financial assistance.

Therefore, Sir, I would request the hon. Minister for Home to expedite the approv- in the matter so that poor Tribal families would be benefited by getting their fin&nci'al assistance. Thank you.

REFERENCE TO THE NEED TO IMPLEMENT "YOUTH PARLIAMENT" PROGRAMME THROUGHOUT INDIA

श्री राम चन्द्र विकल (उत्तर प्रदेण): सभागति महोदय में आपका हृदय से प्रभागति महोदय में आपका हृदय से प्रभागति हं कि आपने मुझे "युवा संसद" के ढारा देश में डेमोक्रेसी को सफल बनाने के लिये यह विशेष-महत्व का प्रश्न उठाने का अवसर दिया है। समापति महोदय डेमोक्रेसी ही नहीं बल्कि देश के सिथे कोई भी संस्कार अगर बच्चों में पैदा किये जाते हैं तो वह अभिट अभर होते हैं और मज्जूत होने हैं। हमारे देश में डमोक्रेसी और देशों के मकाबले में सफल है। फिरभी भावी-पीढ़ी में डेमोक्रेसी की ट्रेनिंग दी जाये यह बहुत अत्यावश्यक है।

समापति महोदय पहले यह दिल्ली राज्य में ही चल्लू था जब 1971 में मैं यहां लोकसभा का सदस्य होकर आया था मैंने जब थहां के स्कूल के वच्चों में जाकर देखा । सौभाग्य से इन्दिरा गांधी जी ने इसमें बहुत मदद की और आज थह नागालैंड में दीमलनाड़ में अरुणा-चल में हरियाणा में राजस्थान में उत्तर-प्रदेश में और मध्यप्रदेश में भी चाल है। लेकिन बोकी जे। और राज्य हैं उनमें चाल नहीं है। मैं आपके मध्यम से सरवार का संसदीय कार्यमंत्री जी का ध्यान इस तरफ दिलाना चाहंगा कि जो और राज्य हैं जहां युध पालिनानेंट का कार्य चिलन नहीं है उन राज्यों ने भिलकर वहां भी चलः एं। समी तक थह केन्द्रीय तरकार के तहत काम चलाया जा रहा है। मेरा ऐसा अनुभव हुआ है कि राज्य सरकारें अप्रगर इसमें दिल चस्पी लें तो इसे और गति से बढ़ा सकते हैं।

सभाषित महोदय मैं अनभव के तौर पर यह हसकता हं कि युवा पीढ़ी में हमारे स्कलों में जो लीडर आफ आपोजीणन बनते हैं विभिन्न पार्टियों के लीडर बनते हैं स्पीकर बनते हैं प्राइम-मिनिस्टर बनते हैं विभिन्न विभागों के मंत्री बनते हैं उनका जो ज्ञान है राष-टीय ग्रीर ग्रंतर्राष्ट्रीय जगत का वह मैं अपने से ज्यादा कहने को तैथार हं और किसी माननीय-सदस्य या मंत्री से कहने को तैयार नहीं हूं। आज हमारी युवा-पीढी में इससे हमारी राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय समस्याग्रों का ज्ञान आया है चाहे हमारी सुरक्षा पट्टी का सवाल हो, चाहे ला एण्ड आईर का सवाल हो, चाहे पंजाब समस्या हो, चाहे असम समस्या हो, चाहे खाद्य समस्या हो, जो भी समस्याएं ग्राज हमारे देश के सामने हैं, वे युवा पीढ़ी में इस रूप में आयी हुई हैं ले उनको उसका बड़ा भारी ज्ञान हो जाता हैं इसके सहारे से। दूसरा ज्ञान हो नहीं काफी नहीं है डेमोकेसी में यह भी जरूरो है कि हम अपने विचारों को प्रभावी ईंग से दूसरों से कह सके और यह वात मैं देख रहा हं यबा-पीढी में यथा-पालिया-मेंट के द्वारा प्रभावी ढेंग से अपने विचार को दूसरों के सामने कहने की भावता पैदा हो जाती है। तीसरा जो गण पैदा होता है वह सहनगावित का होता है। मझे यह निस्संकोच कहने में कोई डर नहीं है कि हमारी असेम्बलियों में और दूसी जगहों में भी जहां तक इस* एक भान-नीथ बदस्य* को देखा करते थे कि स्पीकर को धकौल कर बैठ जाया करते थे सारे देखते थे। आज की यवा पीढी में इस तरह की कोई बात नहीं है कि ऐसी भावता को पैदा करें... (ब्दवधान)...

MR. CHAIRMAN; Don't record the name. Please say "some Members."

अत्रो राम चन्द्र विकल : सहनगतित का मैं कह रहा था। पल ग्रीर विक्त में

Substituted as ordered by the Chai.

23, Shifting of Foreign Exchange

रामचन्द विकल

इतनी बड़ी सहनशक्ति युवा-पीढ़ी देखने में अगती है जो मेरे जैसे, कम से कम में ग्रापना तो कह सकत। हं कि मेरे जैसे उतनी सहनशकित नहीं है, जो युवा पीही में चाहे मिनिस्टर बनते हो जिस प्रकार गंभीरता से जवाब देते हैं, चाहे ग्रापोजीशन के लीडर बनते हो, उनकी सहन अक्ति है। एक और गुण जो मुझे नजर बाता है... (सनय को घंटो)... MR. CHAIRMAN; This is a Special Mention, not a speech.

असे राज चन्द्र विकलाः युवा पीढी में प्रदासत होने का गुण शुरु से ही पैदा हो जाता है जो डेमांकेसों के लिने जरूरी है ।

में इन शब्दों के साथ संसदीय कार्य-मंत्री जी का ध्यान इस ग्रोर दिलानी चाहा कि जिन राज्यों में युध-पालियामेंट का फं यत जनी नहीं है उन सारों में करायें। इसले मुझे निस्सँदेह मुझे यह कहने में संकोच नहीं है कि हमारे देश में डेमोकेसो सफल होगी और मजबत होगी।

SHRI SUKOMAL SEN (West Bengal); Sir, I the would like to refer to a situation which gepertains to the Foreign Exchange Department pa of the State Bank of India in Calcutta. Sir, the State Bank of India has its foreign exchange department in Calcutta. This Department has been dealing with various aspects of foreign Alexchange transaction since its inception F(During the test several years, the jobs TI entrusted to this Depatment have either been C₁shifted

[RAJYA SABHA] Department of SBI from 24 Calcutta to Bombay

or transferred to other agencies. The rupee traveller cheque section was also shifted in 1983, thereby transferring a major part of the job of this Department. In 1986, the major job of maintaining and reconciliation was also transferred to an outside agency. The bank authorities continuously assured the staff that all this will not affect job potentiality of the Department and that it will not affect their service prospects.

In early 1986, [he Bank installed a microprocessor in the Department for their, operation. Even at that time the Bank assured the staff that the installation of the microprocessor will not affect the interests of the employees. The Association of the Eployees continued to protest saying that all these measures were bound to affect their prospects and that the shifting measures will ultimately result in criplling of the Banks work in Calcutta. Sir, what happened then? Dealing operations which enteil quoting the various currency rates are supplied to other banks. It requires various ultra modern telecommunication links and the bank in Calcutta 'has ultra modern telecommunication link and also the Indonet link which has been established and commissioned there. Now the Bank authorities say that the telecom-munication link in that bank and in the city is not quite capable to justify the existence of the Bank's foreign exchange department in Calcutta. So, they want to

decentralise and then shift it to Bombay. They have installed this Indonet link. Instead of giving it a trial, they now say that the telecommunication service is not properly working. New, telecommunication failure is common in the country. It is so everywhere. This is a plea by the management for shifting the Department from Caucutta to elsewhere. Sir, you know that the headquarters of the Bank was originally in Calcutta. They hare started shifting one by one.

I will request that this policy of the Bank management to shift the foreign ex-chance Department from Calcutta should be immediately stopped and the Government should take adequate steps in the matter.